an>

Title:Issue regarding problem of drinking water in Bundelkhand region.

कुँवर पुÂपेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): महोदय, पूरा देश जानता है कि बुन्देलखण्ड आत्महत्या, पलायन, बेरोजगारी, कुपोÂाण, सूखा और कर्ज से कराह रहा है। वीरभूमि बुन्देलखण्ड की धरती अब पीने के पानी को भी तरस रही है। अभी गर्मी आने में करीब चार-पाँच महीने बाकी हैं। हमारे यहाँ अभी से पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। पीने के पानी के लिए लोगों को किलोमीटरों दूर जाना पड़ रहा है। वर्तमान में, यह स्थिति है कि सैंकड़ों गाँवों में, नगरों में, टाउन एरिया में लोग पीने के पानी के लिए परेशान हैं।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से भारत सरकार से और उत्तर प्रदेश की सरकार से यह निवेदन है कि केन्द्र की सरकार, प्रदेश सरकार को कहकर या यहाँ से इन्तजाम किया जाए, तत्काल राहत के तौर पर कम से कम पूरे बुन्देलखण्ड के लिए और मेरे संसदीय क्षेत्र हमीरपुर, तिन्दवारी, महोबा के लिए दस हजार हैंडपम्पों का इंतजाम किया जाए, वरना आने वाला समय बहुत संकट का समय होगा। इसके साथ साथ जो नदी जोड़ो अभियान चल रहा है केन-बेतवा रिवर लिंकिंग वाला, अगर इस योजना से एक नहर को सलारपुर बाँध, बेलाताल बाँध और मझगवाँ बाँध में डाला जाए ताकि वहाँ क्षेत्र के जितने जलाशय हैं, वे भर सकें और पेयजल एवं कृÂिा सिंचाई का संकट दूर हो, और साथ ही साथ जल स्तर भी बढ़ सके।